पाठ 1

इतिहास जानने के स्रोत

आइए सीखें

- इतिहास क्या है?
- इतिहास के विभिन्न स्रोत कौन-कौन से हैं?
- इतिहास के स्रोतों के महत्व व उपयोगिता।
- ऐतिहासिक धरोहरों के महत्व एवं उनके सुरक्षा में हमारा क्या दायित्व है?

'संस्कृत' भाषा में इति + ह + आस से मिलकर **इतिहास** शब्द बना है। जिसका अर्थ होता है जो ऐसा (घटा) था। अर्थात् भूतकाल में घटित घटनाओं या उससे सम्बन्धित व्यक्तियों का विवरण इतिहास है।

मानव अपने अतीत के सम्बन्ध में जिज्ञासु रहा है। अपने निवास स्थलों के समीप निर्मित भवनों दुर्गों, मंदिरों, तालाबों एवं बावड़ियों आदि पुरातात्विक सामग्री के अवशेषों से वह अपनी प्राचीनता का अनुमान लगाता है। इतिहास के अध्ययन से हमें मानव के क्रमिक विकास की जानकारी मिलती है।

इतिहासकार प्राचीन युग की जानकारी के लिए कुछ निश्चित साधनों की मदद लेते हैं। ये साधन उस काल के औजार, जीवाश्म, पात्र, भोजपत्र, आभूषण, इमारतें, सिक्के, अभिलेख, चित्र, यात्रियों द्वारा लिखे यात्रा विवरण तथा तत्कालीन साहित्य आदि हैं। इन साधनों को इतिहास जानने के स्रोत कहते हैं, जिन्हें मुख्य रूप से दो वर्गों में बांटा जाता है- 1. पुरातात्विक स्रोत, 2. साहित्यिक स्रोत।

शिलालेख:	**पत्थरों पर खोदकर लिखी गई बातों को शिलालेख कहते हैं।**
भोजपत्र :	**एक विशेष प्रकार के वृक्ष की छाल, जिस पर प्राचीन ग्रंथ आदि लिखे जाते थे।**
ताड़पत्र :	**ताडवृक्ष के पत्तों पर रंग या स्याही से लिखी गई बातों वाले पत्र को ताडपत्र कहते हैं।**
ताम्रपत्र :	**तांबे के पत्तरों पर खोद कर लिखी गई बातों वाले तांबे के पत्तरों को ताम्रपत्र कहते हैं।**
जीवाश्म :	**प्राचीन जीव, मनुष्य, जानवरों की हड्डियाँ जो पाषाण के रूप में परिवर्तित होना प्रारंभ हो जाती है।**

अधिकांश शिलालेख संस्कृत, प्राकृत, पाली एवं तमिल भाषा में हैं तथा ब्राह्मी लिपि में लिखे गये हैं। इसलिए इन्हें सभी लोगों के लिए पढ़ना कठिन होता है। लेकिन कुछ लिपिशास्त्री और पुरातत्ववेत्ता इन्हें पढ़ लेते हैं।

पुरातत्ववेत्ता :	**वे व्यक्ति जो पुरानी वस्तुओं, स्थलों की खोज करते हैं, और उनके बारे में सही तथ्यों का पता लगाते हैं।**

मानव को जब लिपि का ज्ञान नहीं था तब उस समय वे चित्रों के माध्यम से अपनी बातें शिलाओं पर चित्रित करते थे। इन चित्रों को **'शैल चित्र'** कहते हैं। मध्यप्रदेश में भोपाल के पास भीमबैठिका के शैल चित्र इस बात के जीवंत प्रमाण है। शैलचित्र भारत के विभिन्न भागों में मिलते हैं। भीमबैठिका विश्व का सबसे बड़ा शैल चित्र स्थल है। इसकी खोज पद्मश्री डॉ. वि.श्री. वाकणकर के द्वारा की गई थी। इस स्थल को विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित किया गया है।

क्या आप जानते हैं कि भारत के लगभग तीन-चौथाई शैलचित्र मध्यप्रदेश में विन्ध्याचल और सतपुड़ा की पहाड़ियों में पाये गये हैं।

शिक्षण संकेत : उपरोक्त चित्रों को देखकर बच्चों से अनुमान लगाने को कहें कि ये वस्तुएँ प्राचीन काल में मनुष्य के किस काम आती रही होंगी।

भवन तथा अन्य स्रोत मानव के गणितीय ज्ञान व स्थापत्य कला के विकास की कहानी से परिचय कराते हैं।

साहित्यिक स्रोत तत्कालीन समय की विभिन्न बातों पर प्रकाश डालते हैं। प्राचीन समय के ग्रंथ जैसे वेद, पुराण, रामायण, महाभारत, संगम साहित्य और त्रिपिटिक आदि उस समय के समाज, नगरों, रीति-रिवाजों, संस्कृति के बारे में प्रकाश डालते हैं।

प्राचीनकाल के भवन, महल, मंदिर, मस्जिद, चर्च, किले, बावड़ी आदि हमें उस समय की कला-संस्कृति, समृद्धि, धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक स्थिति की जानकारी देते हैं।

यूनानी यात्री मेगस्थनीज, चीनी यात्री हृवेनसांग, फाह्यान तथा इत्सिंग और अन्य देशों के यात्रियों ने हमारे देश की यात्रा की तथा उनके द्वारा लिखे गये यात्रा-विवरण से हमें उस समय की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक स्थिति के बारे में जानकारी मिलती है।

समय के प्रवाह के साथ-साथ व्यापार वाणिज्य ने अपनी जगह बनाई। व्यापारी एक स्थान से दूसरे स्थान पर गये, आपसी मेल-मिलाप हुआ। लेन-देन बढ़ा। संस्कृति का परिवर्तन क्रम शुरू हुआ। भाषा एवं लिपि एक स्थान से दूसरे स्थान पर गई तथा विभिन्न भाषाओं के मिश्रण से नई भाषाओं ने जन्म लिया। जीवन के क्षेत्रों में परिवर्तन शुरू होकर जीवन मूल्यों में परिवर्तन का दौर शुरू हुआ।

हमें अपने देश की प्राचीन धरोहरों की रक्षा करना चाहिये क्योंकि उन्हीं के आधार पर हमें अपने अतीत की जानकारी मिलती है। प्राचीन धरोहरें राष्ट्र की गौरवशाली संस्कृति की परिचायक होती है।

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न-1 नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए?

(अ) इतिहास जानने के मुख्य स्रोत कौन-कौन से हैं?

(ब) शैल चित्र क्या होते हैं व मध्यप्रदेश में वे कहाँ मिलते हैं?

(स) भोजपत्र किसे कहते हैं?

(द) इतिहास का अध्ययन क्यों आवश्यक है?

(य) ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा हमें क्यों करनी चाहिए?

प्रश्न-2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए?

(अ) ह्वेनसांग और फाह्यान .... यात्री थे।

(ब) भीमबैठिका की खोज .... ने की थी।

(स) पुरानी वस्तुओं/स्थलों की खोज करने व उनके बारे में सही तथ्यों का पता लगाने वाले को .... कहते हैं।

प्रश्न-3 सही विकल्प चुनकर लिखिए -

(अ) ताम्रपत्र लिखे जाते हैं :-

(i) पत्थरों पर (ii) तांबे के पत्तरों पर (iii) वृक्ष के छाल पर

(ब) शिलालेख कहा जाता है :-

(i) पत्थरों पर खोद कर लिखी जानकारी (ii) किताबों में लिखी जानकारी

(iii) भोजपत्र पर लिखी जानकारी

(स) स्थापत्य कला से हमें ज्ञान होता है :-

(i) भवनों का (ii) चित्रों का (iii) औजारों का।

प्रोजेक्ट कार्य-

- अपने गांव/शहर/संग्रहालय का अवलोकन कीजिए। वहाँ देखी गई ऐतिहासिक चीजों की सूची बनाइये।
- इतिहास जानने के कौन-कौन से स्रोत हैं। उनकी सूची बनाइए।
- अपने गांव/स्कूल के आसपास का भ्रमण करें। लोगों से बातचीत कर अपने गांव के इतिहास की जानकारी एकत्रित करें।

❖❖❖❖